

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SCHEME OF EXAMINATION & DISTRIBUTION OF MARKS

SEMESTER - I

क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	पारंपात्र राजनीतिक चिंतन	20	80	100
2.	तुलनात्मक राजनीति	20	80	100
3.	लोक प्रशासन	20	80	100
4.	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति	20	80	100

SEMESTER - II

क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन	20	80	100
2.	समकालीन राजनीतिक मुद्रण	20	80	100
3.	शोध प्रतिविधि	20	80	100
4.	अंतर्राष्ट्रीय संगठन	20	80	100

SEMESTER - III

क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	भारतीय शासन व राजनीति	20	80	100
2.	भारत की प्रिंसिप नीति - सिद्धांत व व्यवहार	20	80	100
3.	अंतर्राष्ट्रीय कानून	20	80	100
4.	भारत में संघातक प्रणाली	20	80	100

SEMESTER - IV

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	भारत में राज्यों की राजनीति	20	80	100
2.	राजनय के सिद्धांत व व्यवहार	20	80	100
3.	मनव अधिकार -- समस्या व संगोष्ठनाएँ	20	80	100
4.	भारत में रथातीय स्वशासन	20	80	100

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER - I

पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन

यह प्रश्न पत्र का राजनीतिक सिद्धांत के अर्थ एवं महत्य पर बल देते हुये यह स्पष्ट करता है कि इसका विकास कैसे हुआ है तथा आज इराकी प्रारंभिकता क्या है? यह शास्त्रीय राजनीतिक सिद्धांतों के निरंतर गहत्पूर्ण होने की व्याख्या करता है तथा हाल ही में वर्षों में विकसित हुये नये दृष्टिकोणों को भी सम्मिलित करता है जिससे शास्त्रीय सिद्धांतों की रीगाएं स्पष्ट हुई हैं। इसमें राजनीतिक सिद्धांतों की विभिन्न व्याख्याओं का परीक्षण भी किया गया है राथ ही राजनीतिक सिद्धांत के प्रतान की बहस तथा उसके पुनरुत्थान के कारणों का भी परीक्षण किया गया है। उसके साथ ही कुछ पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का अध्ययन शामिल किया गया है।

इकाई - 1 यूनानी राजनीतिक चिंतन की विशेषताएँ— प्लेटो— आदर्श राज्य— न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक शासक, अरस्तू— राजनीति विज्ञान का जनक, राज्य संबंधी विचार, संविधानों का वर्गीकरण, दारता का सिद्धांत, संपत्ति व परिवार संबंधी विचार एवं भ्राति का सिद्धांत

इकाई - 2 रोमन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएँ— मध्यकालीन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएँ, मैकियाकृती: पुनर्जागरण का शिशु, मानव-रथमाव संबंधी विचार धर्म व नैतिकता पृथक्करण संबंधी विचार, राज्य-संबंधी विचार आधुनिक राजनीतिक चिंतन का जनक

इकाई - 3 हॉब्स: सामाजिक समझौता संबंधी विचार लॉक: सामाजिक समझौता संबंधी विचार, रसो: सामाजिक समझौता संबंधी विचार, सामान्य इच्छा सिद्धांत मान्टेस्क्यू, शविंग पृथक्करण सिद्धांत

इकाई - 4 बेन्यम: उच्चशोभितावादी सिद्धांत, जे.एस.भिले: उपर्योगितावाद में रांशोधन, स्वतंत्रता पर विचार, प्रतिनिष्ठात्मक संबंधी विचार, हीगल: द्वितीयक भौतिकवाद, राजनीतिक विचार, डी.एच.ग्रीन: स्वतंत्रता की अन्धारणा, अधिकार, सम्प्रभुता, राज्य का आधार— शक्ति नहीं इच्छा

इकाई - 5 काले मार्क्स: द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, इरिहास की आर्थिक व्याख्या वर्ग-संघर्ष सिद्धांत, अतिरिक्त मूल्य का रिक्षांत, लास्की: राज्य संबंधी विचार, सम्प्रभुता विचार, बहुलव्यादी सिद्धांत

संदर्भ ग्रन्थ —

1. राजनारायण गुप्ता पाश्चात्य राजदर्शन का इतिहास, वित्तव भवल
2. के.एल.वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास, प्राचीन एवं मध्यकालीन, नंदकिशोर द्वय, बगारस
3. डॉ. कै.एल. वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएँ (भाग 1 व 2)
4. डॉ. वी.आर. पुरोहित, वीरसवी शताब्दी के राजनीतिक चिंतन की प्रमुख धाराएँ
5. डॉ. रामकुमार अवर्धी, राजनीति शास्त्र के नये क्षितिज, भाग 1 व 2, ग्र.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
6. डॉ. चंद्रप्रकाश वर्धवाल तथा पाण्डेय, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
7. डॉ. हरिद्रष्टरराय, डॉ. भोला प्रसाद सिंह, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण
8. Cobban, "The Decline of Political Theory", Political Science Quarterly, 1953, LXVII, PP. 321-327.
9. D. Wasten, The future of the Postbehavioural Phase In Political Science, in contemporary Empirical Political Theory, K.R. Monroe (ed.) Berkeley, University of California Press, 1997.
10. J. Hampton, Political Philosophy, USA, West view press, 1997.
11. Heywood, Political Theory: An Introduction, London Macmillan, 1999.
12. Dobson Green Political Thought, London, Unwin Hyman, 1990.
13. Appadura, political thoughts the ages, Delhi, Khanna Publishers, 1992.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I PAPER – 1 WESTERN POLITICAL THOUGHT

Course Rational:

This paper focuses on the nature and significance of political theory as it evolved and analyses its contemporary relevance. It explains the continuing significance of the study of the classics and indicates its shortcomings by underlining the need to incorporate new perspectives that have arisen in recent past. Furthermore the debate about the decline and the subsequent reasons for revive of political theory is examined in addition it provides the study of some western political thinkers.

Unit – I

Greek Political Thought: Characteristics, **Plato**: Ideal state, Theory of Justice, Theory of Education, Theory of Communism, Theory of Philosopher king. **Aristotle**: The father of political science, Theory of the state, Classification of constitution, Theory of slavery, Views on property and family, Theory of Revival.

Unit – II

Roman Political Thought: Characteristics, Medieval political thought: characteristics **Machiavelli**: As the child of his time, Ideas of Human Nature, Separation of Politics and religion and Morality, views on state, Father of modern political thought.

Unit – III

Hobbes: social contract theory, **Locke**: Social contract theory, **Rousseau**: Social contract theory, Theory of general will, **Montesquieu**: Power distribution Theory

Unit – IV

Bentham: Theory of Utilitarianism, **J.S. Mill**: Utilitarianism, Revised edition of Benthamism on liberty, Conception of Representative Government. **Heegel**: Dialectical method, political view. **J.H. Green**: Concepts of liberty, Concepts of Rights, Sovereignty, will not force is the basic of state.

Unit – V

Karl Marks: Dialectical Materialism, Materialistic or Economic, Interpretation of History, Theory of surplus value, **Laski**: views on state on sovereignty, The Pluralistic concepts.

Reference Book:

1. Cabban, "The Decline of Political Theory", Political Science Quarterly, 1953, LXVII, PP. 321-337.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

2. D. Waston, The future of the Postbehavioural phase in Political Science, in contemporary Empirical Political Theory, K.R. Monroe (ed). Berkeley, University of California Press, 1997.
3. J. Hampton, Political Philosophy, USA, Westview press, 1997.
4. Heywood, Political Theory: An Introduction, London Macmillan, 1999.
5. Dobson Green Political Thought, London, Unwin Hyman, 1990.
6. Appadura, Political Thought through the Ages, Delhi, Khanna Publishers, 1992.
7. राजनीतिक गुप्ता पाश्चात्य राजदर्शन का इतिहास, किताब महल
8. के. एल.नर्मा. पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास, प्राचीन एवं मध्यकालीन, अंतिकिशोर वंश, बनारस
9. डॉ. के.एल. नर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएं (भाग 1 व 2)
10. डॉ. बी.आर. पुरोहित, वीसवीं शताब्दी के राजनीतिक चिंतन की प्रमुख धाराएं
11. डॉ. रामकुमार अवस्थी, राजनीति शास्त्र के नये शितिज, भाग 1 व 2, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
12. डॉ. चंद्रप्रकाश वर्थवाल लघ्या पाण्डेय, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
13. डॉ. हरिद्वारसाय, डॉ. भोला प्रसाद सिंह, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER-II

तुलनात्मक राजनीति

यह प्रश्न पत्र तुलनात्मक राजनीति के सैद्धांतिक विकास और दृष्टिकोणों का विश्लेषण करता है। यह प्रश्न पत्र व्यवस्थाओं की विशेषताओं की विशेषताओं और प्रविधियों की विभिन्नताओं पर प्रकाश डालने, तुलनात्मक विश्लेषण की लोस प्रविधियों तथा वैकल्पिक सैद्धांतिक प्रतिमानों एवं व्याख्याओं की रामबाण विकासित करने का प्रयत्न करता है। यह तुलनात्मक विश्लेषण करता है।

- इकाई - 1 : तुलनात्मक राजनीति - उद्भव अर्थ, प्रकृति क्षेत्र, राजनीतिक व्यवस्थाओं के अध्ययन की तुलनात्मक पद्धति, दृष्टिकोण - राजनीतिक समाज शास्त्र, राजनीतिक अर्थशास्त्र
- इकाई - 2 : राजनीतिक व्यवस्था - उपागम एवं विश्लेषण (डेविड ईस्टन), संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम व विश्लेषण (आमण्ड व पावेल), राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक समाजीकरण
- इकाई - 3 : राजनीतिक विकास - उपागम एवं विश्लेषण (लुसियन पाई, आमण्ड-हटिंगटन, आर्गेन्चाकी), राजनीतिक संस्थाएं, राजनीतिक संचार
- इकाई - 4 : साविधानवाद - राजनीतिक सम्बन्धजनन, राजनीतिक दल, राजनीतिक आधुनिकीकरण।
- इकाई - 5 : दबाव समूह तथा सामाजिक आंदोलन - राजनीतिक नेतृत्व, राजनीतिक सहभागिता।

संदर्भ ग्रन्थ -

1. डॉ. एस.पी. वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, विशाल पब्लिशिंग हाउस।
2. डॉ. श्यामलाल वर्मा, समकालीन राजनीतिक चिंतन एवं विश्लेषण, मेलमिलन।
3. डॉ. परमात्मा शरण, तुलनात्मक शासन और राजनीति, गीनाक्षी प्रकाशन, गोरख।
4. जे.सी. जौहरी, तुलनात्मक राजनीति, स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
5. डॉ. श्यामलाल वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
6. हरद्वारीलाल राय, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
7. डॉ. पी.डी. शर्मा द्वारा रांकलित, आधुनिक राजनीतिक रिक्वात।
8. एस.सुरी - तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत।
9. सिंह एवं राय - तुलनात्मक राजनीति सर्थाएं।
10. प्रभुदत्त शर्मा - तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाएं।
11. भोला प्रसाद रिंग - राजनीति में पद्धति सिद्धांत।
12. रमी.बी.गेना - तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं।
13. आर.सी.जैन - तुलनात्मक शासन एवं राजनीति।
14. बी.बी. घोषरी - तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, महावीर प्रकाशन।
15. विपिन चंद्र - भार में उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, दीपक पश्चिमेशन व डिस्ट्रीब्यूटर्स
16. G. White, R. Murray and C. White, Revolutionary Socialist Movements in the Third World, Brighton, Wheatsheaf, 1983.
17. Almond & Colman, the Politics of Development and Political Decay.
18. Vidya Bhawan, Comparative Politics, Atlantic Publishers and Distributors, 4343/4e Daryaganj
19. R.L. Hardgrave, India: Government and Politics in a Developing Nation.
20. G.A. Almond & C.B. Powell, Jr of Comparative Politics: A development approach, Boston, Little Brown, 1966. D. Esasern - The Political System: An Enquiry into the state of political science, New York, 1953.
21. J.C. Johari, Comparative Political Theory - New Dimensions, Basic concept and major trends, New Dimensions, Basic concept and major trends, New Delhi, Sterling - 1987.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER - II PAPER – 2 COMPARATIVE POLITICS

Course Rationale:

The paper deals with the theoretical evolution and approaches to the study of comparative politics the paper intends to highlight on variations in systematic characteristics and processes to equip us with a sound grasp of methodology of comparison and to enable thus to understand alternative theoretical models and explanations. It analyzes in a comparative way a fundamental grasp over the various theories and explanations regarding political development in the third world views, which have dictated different theories of development under development and change in the study of comparative politics.

Unit - I

Evolution of comparative politics meaning, nature & scope. Comparative Method in the study of political system, Approaches: Political sociology/political economics.

Unit - II

Political System Approach and Analysis (David Easton), Structural functional Approach and Analysis (Almond-Powell) Political Culture and Political Socialization.

Unit - III

Political Development Approach and Analysis (Lucian Pie, Almond, Halinglan, Organsky) Political Institutions, Political Communication

Unit - IV

Constitutionalism, Political Elites, Political Parties, Modernization.

Unit - V

Pressures Group and social movement, Political leadership and political participation.

Reference Book:

1. G. White, R. Murray and C. White, Revolutionary Socialist Movements in the Third World, Brighton, Wheatsheaf, 1983.
2. Almond & Colman, the Politics of Development and Political Decay.
3. Vidya Bhooshan, Comparative Politics, Atlantic Publishers and Distributors, 4343/46 Daryaganj, Delhi.
4. R.L. Hardgrave, India: Government and Politics in a Developing Nation.
5. G.A. Almond & G.B. Powell, Jr of Comparative Politics: A development approach, Boston, Little Brown, 1966. D. Easton – The Political System: An Enquiry into the state of political science, New York, 1953.
6. J.C. Johari, Comparative Political Theory – New Dimensions, Basic concept and major trends, New Dimensions, Basic concept and major trends, New Delhi, Sterling – 1987.
7. डॉ. एस.पी. कर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, विश्वल प्रक्षिप्तिं हाउस।

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सोमेर्स्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

8. डॉ. श्यामलाल वर्मा, स्टाकलीन राजनीतिक धितन एवं विश्लेषण, गेकरिलन।
9. डॉ. परमामाशरण, तुलनात्मक शासन और राजनीति, गीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
10. जे.सी. चौधरी, तुलनात्मक राजनीति, राटर्निंग पब्लिशर्स।
11. डॉ. श्यामलाल वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
12. हरद्वारेलल राय, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
13. डॉ. पी.डॉ. शमी द्वारा संकलित, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
14. एस.सुरी - तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत।
15. सिंह एवं राय - तुलनात्मक राजनीति संस्थाएं।
16. प्रभुदत्त शर्मा - तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाएं।
17. शोला प्रसाद सिंह - राजनीति में पद्धति सिद्धांत।
18. सी.बी.गेना - तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं।
19. आर.बी.जैन - तुलनात्मक शासन एवं राजनीति।
20. बी.बी. चौधरी - तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, महावीर प्रकाशन।
21. चिपिन नंद - भार में उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद दीपक पब्लिकेशन व डिस्ट्रीब्यूटर्स।

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER-3

लोक प्रशासन

पाठ्यक्रम औचित्य —

यह प्रश्न पत्र लोक प्रशासन को व्यापक व्यवस्थित पर्यावरण में समझने का प्रयास है जिससे इसके उपकरणों एवं कर्ताओं के मुख्य अंतः क्रियात्मक कारकों की पहचान की जा सके। तथा उन उपायों की समझ विकसित की जा सके जो उनकी क्रियात्मक दक्षता को प्रभावित करते हैं। एक कार्यात्मक उपयोगिता को शावेत प्रदान करते हैं। इसमें नौकरशाही के विकास तथा विकास की प्रक्रिया में इसके चलत्वेखनीय योगदान को समझने का प्रयास किया गया है। साथ ही विकासात्मक नौकरशाही के अध्ययन को भी ध्यान में रखा गया है।

- इकाई - 1 लोक प्रशासन— परिभाषा, अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र अध्ययन के उपायम्, निजी प्रशासन व लोक प्रशासन में समानता एवं अंतर, नौकर लोक प्रशासन की अवधारणा
- इकाई - 2 संगठन के सिद्धांत— पदसोपान, नियन्त्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता, समन्वय, प्रत्यायीजन, केंद्रीयकरण विकेन्द्रीयकरण।
- इकाई - 3 मुख्य कार्यपालिका— सूचना एवं स्टोक अभिकरण, नेतृत्व, निपट्य, निर्माण, जवायदेही, शासन पर नियन्त्रण— संसदीय व न्यायिक
- इकाई - 4 कार्यिक प्रशासन— भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, नौकरशाही— अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं गुण—दोष, प्रकार, नौकरशाही का आधुनिकीकरण लोक सेवा आदेश,
- इकाई - 5 वित्तीय प्रशासन— बजार सिद्धांत, निर्माण, प्रक्रिया, नियन्त्रक एवं भास्त्रेखा वरीकरण, लेखाकान अंकेक्षण लोक सेवा में तटरथता, प्रदत्त विधायन, सूचना का अधिकार

संदर्भ ग्रन्थ —

1. सी.पी. भान्मरी— लोक प्रशासन के सिद्धांत
2. अवरथी एवं भास्त्रेखरी— लोक प्रशासन के सिद्धांत
3. इन्ड्रजीता कौर— लोक प्रशासन
4. डॉ. डी.एस. यादव— लोक प्रशासन
5. खान एवं वर्मा— प्रशासनिक विचारधाराएं, भाग 1, 2
6. आर. बेसु— लोक प्रशासन, नई दिल्ली, जवाहर पब्लिशर्स
7. निशा वशिष्ठ— भारत में नौकरशाही की कार्यप्रणाली
8. डॉ. बी.एल. फडिया— लोक प्रशासन
9. Pfittner J.M.— Public Administration
10. White L.D.— Introduction to the Principles
11. Bhambhani C.P.— Bureaucracy and Politics in India, Delhi-Vikas 1971.
12. Bhattacharya M.— Public Administration
13. Maheshwari S.R.— Indian Administration System
14. Awasthi & Maheshwari— Public Administration.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER – 3

PUBLIC ADMINISTRATION

This paper intends to study public Administration in its larger systematic milieu to identify key interacting factors in its apparatus and actors, and to develop understanding of measures that affect its operating efficiency and strengthen its significant contributions to the process of development, highlight any and the importance and imperatives of the study of developmental bureaucracy.

Unit-1

Public Administration: Definition, meaning and mutual scope, study approaches, Differences and similarities with private Administration concepts of New Public Administration.

Unit-2

Theories of Organization: Hierarchy, Span of Control Unity of Command, Coordination Delegation of Power, Centralization and decentralization.

Unit-3

Chief Executive: Line and Staff Agencies, Leadership Decision-making, Accountability Control over Administration - Legislative and Judicial.

Unit-4

Personal Management: Recruitment Training, Promotion Bureaucracy: Meaning definition, characteristics, Merits-Demerits, Types: Modernisation of Bureaucracy, Public service Commission

Unit-5

Financial Administration: Theories and process of Budget making, Controller and Auditor General of India, Accounting and Auditing, Neutrality in public service, Delegated legislation, Right to Information.

Reference Book:

1. Pfittner J.M.- Public Administration
2. White L.D.- Introduction to the Principles
3. Bhambhani C.P.- Bureaucracy and Politics in India, Delhi Vikas 1971.
4. Bhattacharya M.- Public Administration
5. Maheshwari S.r. – Indian Administration System
6. Awasthi & Maheshwari – Public Administration.
7. रीषी.पी. भाष्मरी— लोक प्रशासन के शिद्धांत
8. अवस्थी एवं माहेश्वरी— लोक प्रशासन के शिद्धांत
9. इन्द्रजीत कौर - लोक प्रशासन
10. डॉ. डी.एरा. यादव- लोक प्रशासन
11. खान एवं यर्मा- प्रशासनिक विधारधाराएं, भाग 1, 2
12. आर. बसु- लोक प्रशासन, नई दिल्ली, जयाहर पब्लिशर्स
13. निशा वर्षिष्ठ- भारत में नौकरशाही तभी कार्यप्रणाली
14. डॉ. बी.एल. फडिया- लोक प्रशासन

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER – 4

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

यह प्रश्न पत्र अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों एवं पद्धतियों को स्पष्ट करता है। साथ ही रामकालीन महत्वपूर्ण मुद्दों के विश्लेषण ऐसे भी बल देता है। इस प्रश्न पत्र का एक महत्वपूर्ण पक्ष शक्ति तथा रामकालीन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उसके उपयोग का सैद्धांतिक आधारों पर विश्लेषण करना भी है। गुरु निरपेक्षता की अवधारणा, शास्त्र नियंत्रण तथा निशस्त्रीकरण, दक्षिण तथा दक्षिण पूर्ण एशिया के संगठनों एवं दक्षिण एवं पश्चिम में संघर्ष एवं सहयोग के मुख्य क्षेत्रों के विशद विवेचन एवं विश्लेषण का प्रयास इस प्रश्न पत्र में किया गया है। उत्तर शीतलुद्ध में उभरे सामाजिक, आर्थिक एवं भानवीय प्रश्नों को भी इसमें सम्मिलित किया गया है।

इकाई – 1 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति – विकास, प्रकृति : क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के सिद्धांत यथार्थवादी, मार्क्सवादी, खेल और व्यवस्था सिद्धांत

इकाई – 2 शक्ति के अवधारणा – इसके तत्त्व व रीग्मार्ए शक्ति प्रबंधन, शक्ति रान्तुलन, सामूहिक सरक्षा शक्ति की बदलती प्रकृति।

इकाई – 3 असंलग्नता की अवधारणा – अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, उपलब्धियां, असफलता एवं प्रासंगिकता, निशस्त्रीकरण अर्थ, आवश्यकता पक्ष-विपक्ष, भार्ग में आने वाली बाधाएं

इकाई – 4 राजनेत्र – परिभाषा, प्रकार, कार्य, राजनयिक विशेषाधिकार, क्षेत्रीय संगठन – सार्क और आसियान, यूरोपियन-यूनियन (ईयू)

इकाई – 5 आतंकवाद – परिभाषा, प्रोत्साहन देने वाले तत्त्व, दक्षिण एशिया में आतंकवाद, सीमा पार आतंकवाद, परमाणु आतंकवाद, वैशिवक आतंकवाद

संदर्भ ग्रंथ –

1. वी.एल.फड़िया – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
2. ई.एच.कार – दो विश्व युद्ध के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
3. मधुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1917–1945, कॉलेज बुक डिपो
4. मधुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1945 से अब तक, कॉलेज बुक डिपो, जयपुर
5. प्रभुदत्त शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, कॉलेज बुक डिपो जयपुर
6. एच.जे. मार्गन्थान – राष्ट्रों के मध्य राजनीति
7. पुष्पेश पंत एवं जैन – अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
8. वी.के.खन्ना एवं लीपास्थी अरोरा – भारतीय विदेश चीति के नये आयाम, डी.के. प्रकाशन, नई दिल्ली
9. S.Burhill Et al – theories of International Relations, Hampshire, Macmillan, 2001.
10. K.W. Deutsch, the analysis of International Relations, New Delhi, Prentice Hall 1989;
11. H.J. Morgenthau, Politics among nations, Sixth Edition, revised by K.W. Thompson, Newyork, Alfred Knoof, 1985.
12. K.P. Mishra and R.S. Beal, International Relations Theory, New Delhi, Vikas, 1980.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER – 4

INTERNATIONAL POLITICS

This paper deals with the different approaches and methods of studying international political along with an emphasis on some important contemporary issues. One very important component of this paper is the theoretical postulates about power and the actual operation of it in contemporary international politics. The concept of non alignment, arms control and disarmament the regional organization of South-East Asia and the major Areas of conflict and cooperation in South and West need also to be dealt in detail and analytically. It incorporates social, economic and humanitarian issues that have come to the fore front in the post cold war period.

Unit-1

Development of International Politics: and Scope.Theories of International Politics—Realistic Marxist, Game and System Theory.

Unit-2

Concepts of Power: Its constituents and limitations, The management of power—Balance of power, Collective security and changing nature of National power.

Unit-3

The concepts of Non Alignment, meaning, definition, features, achievements Bases, role and Relevance. Disarmament meaning, needs, against Hindrances failures.

Unit-4

Diplomacy— Definition, kinds-Functions Diplomatic Entities: Regional organization—SAARC, ASEAN, EU.

Unit-5

Terrorism— Definition, Motivative elements, Terrorism in South Asia, Sima paar Terrorism, Terrorism— Nuclear Terrorism Global Terrorism

Reference Book:

- बी.एल.फड़िया — अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
- S.Burchill Et al — theories of International Relations, Hampshire, Macmillon, 2001.
- K.W. Deutsch, the analysis of International Relations, New Delhi, Prentics Hall 1989.
- H.J. Morgenthau, Politics among nations, Sixth Edition, revised by K.W. Thompson, Newyork, Alfred Knoof, 1985.
- K.P. Mishra and R.S. Beal, International Relations Theory, New Delhi, Vikas, 1980.
- ई.एच.कार — दो विश्व युद्ध के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लक्षणी नारायण आग्रवाल, आगरा
- मथुरालाल शर्मा — अंतर्राष्ट्रीय संबंध — 1917- 1945, कालेज बुक डिपो
- मथुरालाल शर्मा — अंतर्राष्ट्रीय संबंध — 1945 से अब तक, कालेज बुक डिपो, जयपुर
- प्रभुदत्त शर्मा — अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, कॉलेज बुक डिपो जयपुर
- एच.जे. मार्गन्थाउ — राष्ट्रों के मध्य राजनीति
- पुष्पेश पंत एवं जैन — अंतर्राष्ट्रीय संबंध, गीनाथी प्रकाशन, मेरठ
- बी.के.खना एवं लीपारथी अरोड़ा — भारतीय विदेश नीति के गो आयाम, डी.के. प्रकाशन, नई दिल्ली

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER - 1

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन

यह प्रश्ना पत्र का उददेश्य आधुनिक भारत में साजनीतिक सिद्धांतों की परंपराओं के विशिष्ट 'लक्षणों' के प्रति 'रामीलोधर्मोलाके' जागरूकता' विकारित्व करना है। इस प्रश्ने पत्र का केन्द्रीय विषय भारत के सामाजिक एवं राजनीतिक विधारों के दार्शनिक आधारों का विवेचना करना तथा वे किस सीमा तक पश्चिमी राजनीतिक चिंतन दो भिन्न हैं यह स्पष्ट करना है। यह आधुनिक भारत के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक नेताओं तथा वित्तकर्ताओं को घबराहित रूप से समझने का प्रयास है। यह आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारकों के राजनीतिक सिद्धांतिकरण के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान पर बल देता है। तथा उसके राजनीतिक चिंतन की सापेक्षिक स्वतंत्रता को निरूपित करता है।

इकाई - 1 भारतीय राजनीतिक चिंतन— उत्पत्ति एवं विकास, भारतीय पुनर्जागरण — राजा राम शोहग राय, दयानंद सरस्वती, विकानंद

इकाई - 2 महात्मा गांधी — सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, आदर्श राज्य का विचार, साधिनय अवज्ञा, गांधी समाज सुधारक के रूप में, गांधी एक राजनीतिक विचारक।

इकाई - 3 पं. जयपाल लाल नेहरू— राजनीतिक विचार डॉ. गीमराव अंगेडकर— राजनीतिक विचार

इकाई - 4 राम मनोहर लोहिया— राजनीतिक सामाजिक विचार, जय प्रकाश नारायण के राजनीतिक सामाजिक विचार, आचार्य नरेन्द्र देव के राजनीतिक सामाजिक विचार

इकाई - 5 दीन दयाल उपेध्याय— राजनीतिक दिचार मानवेन्द्र नाथ राय— राजनीतिक विचार अरविंद शोष — राष्ट्रीयता व राजनीतिक विचार

संदर्भ ग्रंथ —

1. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन — डॉ. ची.एल. फडिया, साहित्य भवन, ओण्टरा
2. भारतीय राजनीतिक विचारक — रमिंग पाठक, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन — वी.पी. वर्मा
4. भारतीय राजनीतिक चिंतन — डॉ. गोविंद प्रराद शर्मा, भप्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
5. R. Kothari, Politics in India, New Delhi orient Longman, 1970.
6. डॉ. ओम प्रकाश गांधा — भारतीय राजनीतिक विचारक

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II PAPER – 1 MODERN INDIAN POLITICAL THOUGHT

The purpose of this paper is to generate a critical awareness about the distinctive features of the political theory traditional in Modern India. The focal theme of the paper is the bearing of India Philosophical system of thought on social and political ideas and to what extent is Indian political thought a rejection derivative imitation or innovation transformation of Western political Thought. It is an attempt to discuss systematically the political ideas of various political and social leaders and thinker in modern India. It emphasize on the distinctive contribution of modern India thinkers to political theorizing and the relative autonomy.

Unit-1

Evolution of Indian political thought, Indian Renaissance- Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati and Vivekanand

Unit-2

Mahatma Gandhi- Truth, Non-violence, satyagrah, View at Ideal state, Gandhi as a social reformer, Gandhi as a political thinker.

Unit-3

Pt. Jawaharlal Nehru: Political Ideas, Dr. B.R. Ambedkar: Political Ideas

Unit-4

Ram Manohar Lohia: Political and Social Ideas, Jay Prakash Narayan: Social and Political Ideas, Acharya Narendra Dev: Social and political Ideas.

Unit-5

Deen Dayal Upadhyay: Political Ideas, Manvendra Nath Roy: Political Ideas, Aurobindo: Nationalism and Political Ideas.

संदर्भ ग्रन्थ –

1. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंहन— डॉ. बी.एल. फड़िया, साहित्य भवन, अगरा
2. भारतीय राजनीतिक विचारक— सशीभ पाठक, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
3. अधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंहन— वी.पी. वर्मा
4. भारतीय राजनीतिक चिंहन— डॉ. गोविंद प्रसाद शर्मा, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, गोपाल
5. R. Kothari, Politics in India, New Delhi orient Longman, 1970.
6. डॉ. ओग प्रकाश गाथा — भारतीय राजनीतिक विचारक

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER – 2

समकालीन साजनीतिक मुद्दे

शीत युद्ध के पश्चात् अधिकांश स्थापित लोकतांत्रिक देशों में सामाजिक, आर्थिक, सारकृतिक तथा मानवीय सुरक्षा की चिंताएं उभर कर सामने आयी हैं। ये चिंताएं अपेक्षाकृत विकलित तृतीय विश्व के देशों में भी मौजूद हैं इसलिये यह परीक्षण करना आवश्यक है कि किस सीमा तक ये समस्याएं नहीं हैं। अथवा उन्हीं पुरानी समस्याओं को नया रूप दिया जा रहा है। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य इन चिंताओं को विश्व राजनीति के संदर्भ में तथा वैश्विक एवं विभिन्न देशों के भीति निर्णय के रांग में सामालोचनात्मक दृष्टि से विश्लेषित करना है।

इकाई – 1 शीत युद्ध की पृष्ठभूमि – शीत युद्ध का अंत, शीत युद्ध को प्रभावित करने वाले कारक, देशों (तगाव और तगाव) उत्तर शीत युद्ध काल की समकालीन समस्याएं एक विश्व व्यवस्था सम्यवादी गुट का अवसान

इकाई – 2 नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं-विशेषताएं, उत्तर-दक्षिण रांगाद की मुख्य समस्याएं – अधिग्राम पृष्ठभूमि विभिन्न सम्मेलन (ब्रांट, पृथ्वी), उत्तर-दक्षिण रांगाद के लिए दबाव आलोचनात्मक मूल्यांकन दक्षिण-दक्षिण सहयोग, सीमाएं व चुनौतियाँ

इकाई – 3 यैश्वीकरण – अर्थ, विशेषताएं, लाभ-हानि, पर्यावरणीय मुद्दे-संयुक्त राज्य पर्यावरणीय कार्यक्रम, पर्यावरणीय संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून रियो राम्मेलन 1992, पृथ्वी सम्मेलन 2002

इकाई – 4 परमाणु निःशरनीकरण एवं शास्त्र नियन्त्रण (सीटीबीटी, बीटीएनपीटी), निःशरनीकरण और संयुक्त राष्ट्र भूमिका और प्रयास Efforts - 1947 to 1980, 1981 to update

इकाई – 5 तृतीय विश्व की समस्याएं- अवधारणा, विशेषताएं, भूमिका, महाशक्ति अमरीका व तृतीय विश्व, विकासात्मक मुद्दे- आर्थिक, सामाजिक विकास, कृषि स्वारक्ष्य, गरीबी खाद्य समस्या।

संदर्भ ग्रन्थ –

1. डॉ. वी.ए.ल. फालिया – समकालीन मुद्दे, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
2. W. Lacquer, Terrorism, London, Weidenfeld and Nicolson, 1977
3. P. Ekins, A New World Order : Grassroots Movements for Global Change, London, Routledge, 1992.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER - 2

CONTEMPORARY POLITICAL ISSUES

Science economic, culture and humanitarian concerns have come to the forefront relegation issue of security to the background in the most well established democracies in the post cold war period .These concerns also find their advocates in the relatively under developed countries of the third world . There is a need examine to what extent are these concerns new or are they a redefinition of old ideas with a fresh look. The objective of the paper is to examine critically these and analyze their impact on the world politics and policy making initiatives both globally and within individual countries.

Unit -1

Background of the Cold war: End of the Cold war Causes of the Cold War, Detente, Contemporary Problem of Post Cold War Era, Uni polar World System, End of communist Group

Unit -2

New International Economic Order, Issue of North South Dialogues- Meaning, Background, Various conference (Brant, Prithvi) Pressure on North South Dialogue limitation and challenges, South-south dialogue (cooperation).

Unit -3

Globalization: Meaning, characteristics, Merit, Demerit, Environmental Issues- United Nation Environment Programme, International Law of Environment Protection Rio Conference 1992, Prithvi Conference 2002

Unit -4

Nuclear Disarmament and Arms control CTBT, NPT, Disarmament and United Nations - Role and efforts since 1947 to 1980, 1981 to update

Unit- 5

Problem of Third World: Concept Characteristics, Role, Super Power America and Third World. Developing Issues- Economic, Social Development Agriculture, Health, Poverty, Food Problem

Reference Book:

1. डॉ. बी.एल. फाडिला – समकालीन मुद्दे, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
2. W. Lacquer, Terrorism, London, Weidenfeld and Nicholson, 1977
3. P. Ekins, A New World Order: Grassroots Movements for Global Change, London, Routledge, 1992.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

୧୨.୯. ରାଜିକାର ପିଲାମ୍ପିଆ ଡିଗ୍ରୀ-POLITICAL SCIENCE /

SEMESTER II

PAPER - 3

सोध प्रविधि

यह प्रश्न पत्र राजनीति विज्ञान में वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के लिये इन्द्रियानुभाविक अनुसंधान की प्रक्रिया एवं पद्धतियों को रख्याकित करता है। राजनीतिक विज्ञान अनुसंधान पद्धतियों को राजनीति विज्ञान से राबंध करने का यह प्रयोग है। उससे निमित्त चर्चाएँ एवं विवारों को आलेखन के गी सम्पूर्णतः किया गया है।

- | | |
|----------|--|
| इकाई - 1 | शोध का स्वरूप एवं क्षेत्र गहत्य और उपयोगिता विशुद्ध शोध एवं व्यवहारिक शोध में अंतर शोध समस्या की पहचान, शोध प्रारूप (स्चन) |
| इकाई - 2 | वैज्ञानिक शोध प्रविधि— प्रकल्पना, सम्प्राप्तिय, एवं चर, उपकल्पना निर्माण एवं परीक्षण प्रतिचयन (विवरण पद्धति) |
| इकाई - 3 | तथ्य संकलन की तकनीक एवं उपकरण: अवलोकन, विशेषताएं प्रकार, गुण एवं दोष प्रश्नावृत्ति अनुसूची एवं साक्षात्कार प्रतिचयन एवं सर्वेक्षण की तकनीक |
| इकाई - 4 | अध्ययन की प्रकृति: व्यक्तिगत अध्ययन: पद्धति, भूमिका एवं गहत्य, पूर्वगामी अध्ययन एवं ऐनला अध्ययन, सामाजी संसाधन एवं विश्लेषण, संकरीकरण, सारणीयन, विश्लेषण एवं सामाजिक विज्ञान में कम्प्यूटर का प्रयोग |
| इकाई - 5 | आर्थिकीय विश्लेषण, सामाजिक, आध्य, मध्यांक, बहुलक, प्रतिवेदन, लेखन— सद्वदेश, सम्पर्क, अंतर्राष्ट्रीय तात्पर्य |

संदर्भ ग्रंथ —

1. स्यामलाल वर्मा – साज़ीति विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि
 2. त्रिवेदी भार एवं शुक्ला औपौ – स्लिपर्स मेथडोलॉजी, कॉलेज ट्रूक डिपो, रायपुर
 3. रविन्द्रनाथ बुखारी – अप्पा एवं साइयेक्टी
 4. सी.पी. शर्मा – शोध प्रविधियो
 5. डॉ. वी. एल. फडिया – शोध प्रविधिया
 6. डॉ. एस.डी. सिंह – सागरिक शोध, सर्वेक्षण, एवं साइयेक्टी
 7. J.B. Johnsoff, and R.A. Joslym, Political Science Research Methods, Washington D.C.C.Q. Press, 1986.
 8. M. Weber, the Methodology of Social Science, Translated edited by E.A. Shils and H.A. Finch, Newyork, the Free Press, 1949.
 9. Dr. A.P. Verma – Research Methodology in Public Administration Non profit organization.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER – 3

RESEARCH METHODOLOGY

This paper is a basic instruction to the process and method of empirical research for achieving scientific knowledge in political science. An attempt is made to relate social science Research methods to other course in syllabus of political Science. The criticisms of different methods and schools are included. There is a need to teach the method of date collection. Sample survey preparation of bibliography and questionnaire, writing of report dissertation and thesis.

Unit-1

Social research: Nature, Importance and Use, Difference between pure and applied research Identification of research Problem research Design.

Unit-2

Scientific Research Method: Hypothesis concepts and variables, Hypothesis formulation and testing, sampling method.

Unit-3

Tools and techniques of Data Collection: Observation, Characteristics of observations, kinds of observation, Merit and demerits of Questionnaire, Schedule, interview, Sampling and survey Techniques.

Unit-4

Nature of Study: Case Study: Technique Role and Importance Case study. Pilot studies and panel studies, Application of computer in social Science research. Encoding, Schedule, data Resources and Analysis.

Unit-5

Statistics Analysis— Mean, Median, Mode, Report Writing: Purpose forms and contents, reference.

Reference Book:

1. J.B. Johnson, and R.A. Josiyim, Political Science Research Methods, Washington D.C.C.Q. Press, 1986.
2. M. Waber, the Methodology of Social Science, Translated edited by E.A. Shils and H.A. Finch. Newyork, the Free Press, 1949.
3. Dr. A.P. Verma – Research Methodology in Public Administration Non profit organization.
4. विवेदी आर.ए. एवं शुक्ला डी.पी. – रिसर्च मेथडोलॉजी कॉलेज बुक डिपो सायपुर
5. रविन्द्रनाथ गुखजी – शोध एवं सांख्यिकी
6. सी.पी. शर्मा – शोध प्रविधियाँ
7. डॉ. बी. एल. फडिया – शोध प्रविधियाँ
8. डॉ. एस.डी. सिंह – सामाजिक शोध सर्वेक्षण एवं सांख्यिकी

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़
सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER-II

PAPER - 4

अंतर्राष्ट्रीय संगठन

यह प्रश्न पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के उद्भव एवं विकास का आरंग से लेकर बताना रागय तक का आध्ययन करना है। यह उन समस्याओं पर प्रकोश लोलता है। जो अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के रामबुद्ध आती है और उनके कार्य में रुकावट ढालती है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना एवं कार्य विधि का गहराई से अध्ययन किया जाना है कि क्या यह उपने शिस्तियों की अपेक्षा आशा एवं आकंक्षा के अनुरूप खरा उत्तरा है। साथ ही शीत युद्ध की रामाप्ति के पश्चात् राजनीतिक एवं सुरक्षा विद्युओं से सामाजिक आर्थिक एवं मानवतावादी विषयों में परिवर्तन और इन आवश्यकताओं को सुगम बनाने में संयुक्त राष्ट्रीय की भूमिका विश्लेषित किया जाना है।

- इकाई - 1** अंतर्राष्ट्रीय संगठन— प्रकृति एवं विकास, अंतर्राष्ट्रीय रांगडन राष्ट्र राज्य का वर्ण संकर, राष्ट्र संघ— रचना एवं कार्य, विश्व शांति की रक्षा में भूमिका, राष्ट्र संघ की अराफलता के कारण
- इकाई - 2** संयुक्त राष्ट्र— संरचन उद्देश्य एवं कार्यसाधकता राष्ट्र के विभिन्न अंग, संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुधारों की आतंशक्ति, भारत और संयुक्त राष्ट्र
- इकाई - 3** अंतर्राष्ट्रीय विद्याओं का शान्तिपूर्ण एवं बाध्यकारी समाधान— दबावपूर्ण कार्यवाही, आर्थिक सामाजिक विकास और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका
- इकाई - 4** शीत युद्धोत्तर काल में संयुक्त राष्ट्र— सामाजिक, आर्थिक एवं मानवीय भूमिका शामि रांथारपक के रूप में संयुक्त राष्ट्र
- इकाई - 5** ब्रेटेन बुडस वित्तीय संस्थाएं— विश्व व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, नई विश्व आर्थिक व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का भूत्यांकन

संदर्भ ग्रन्थ —

1. बैकुठनाथ सिंह — अंतर्राष्ट्रीय संगठन ज्ञानदा प्रकाशन
2. एम.पी.राय — अंतर्राष्ट्रीय संगठन कॉलेज बुक डिपो, जयपुर
3. K.P. Saxena, Reforming the United Nations, The Challenging Reverence, New Delhi, SAGE, 1993.
4. Archer, International Organization, Newyork, Sent martin Press, 1975.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER - 4

INTERNATIONAL ORGANISATION

This paper studies the evaluation and the development of international organizations from its inception till present times it focuses on the problems that conforms international organizations and constraints withing which they function. An in depth study of the structure and functioning of the United Nations needs to be undertaken and analyzed from the persoective of whether it has lived upto the expectations hope and aspirations of its architects in addition the shift from political and security considerations to social, economic and humanitarian concern following the end of the cold war and UN's role in facilitating these needs to be analyzed.

Unit-1

International Organisation: Nature and Evolution International Organisation– A Hybris of Nation State System and The International system, The League of Nation—structure and functions, Role in protecting World peace; causes of failure of league Nations.

Unit-2

The United Nations: aims, structure and functions, various organs of U.N., Need of Reform in the U.N. Structure, India and United Nations.

Unit-3

Peaceful settlement and forceful settlement of International Disputes and Enforcement Action; Rold of United Nation in Economic and social development.

Unit-4

United Nation in post cold war Era, Socio, Economic and Humanitarian Role, United Nation as a peace keeper and politics within United Nation

Unit-5

The evolution at International financial Institute: Bretton woods system, World Trade Organisation, International Monetary fund, World Bank, Now World economic order, Assesment of United Nation role.

Reference Book:

1. K.P. Saxena, Reforming the United Nations, The Challenging Reverence, New Delhi, SAGE, 1993.
2. Archer, International Organization, Newyork, Sent martin Press, 1975.
3. बैकुठनाथ शिंह – अंतर्राष्ट्रीय संगठन काजदा प्रकाशन
4. एम.पी.राय – अंतर्राष्ट्रीय संगठन कॉलेज बुक लिपे, जयपुर

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

सेमेस्टर III

पेपर—I भारतीय शासन एवं राजनीति

SEMESTER III

PAPER I

INDIAN GOVERNMENT AND POLITICS

इकाई—1 संविधान सभा की पृष्ठभूमि – संगठन एवं कार्य प्रणाली, भारतीय राजविधान की विशेषताएं।

वैचारिक आधार – प्रस्तावना, स्त्रोत, संविधान संशोधन प्रक्रिया।

Background of the Constituent Assembly - Composition and Working] Main Features of the Indian Constitution. Ideological contents - Preamble Sources of the Indian Constitution, Process of Constitutional amendment.

इकाई—2 मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, राज्य के नीति निर्देशक सिस्टम, केन्द्र राज्य सम्बन्ध विधायी, वित्तीय, प्रशासकीय।

Fundamental Rights and duties, Directive Principles of State Policy; Centre State Relation - Legislative, Financial, Administrative.

इकाई—3 राजीय कार्यपालिका – राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद्।

Union Executive - President Prime minister and Council of Ministers.

इकाई—4 संघीय व्यवस्थापिका – लोकसभा, राज्यसभा; भारतीय सर्वोच्च न्यायालय।

Union Legislature - House of people (Loksabha), House of State (Rajyasabha), Supreme Court of India.

इकाई—5 भारतीय राजनीति के सामग्री चुनौतियाँ – जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, सम्प्रदायवाद, भ्रष्टाचार।

Challenges before Indian Politics - Casteism, Regionalism, Linguism, Communalism, Corruption.

सन्दर्भ ग्रन्थः-

डॉ. पुखराज जैन एवं डॉ. वी.ए.ल. फडिया – भारतीय शासन एवं राजनीति सुभाष कश्यप – भारतीय राजनीति के नये मोड़,

एमपी. राय—भारतीय शासन व राजनीति,

रजनी कोणरी – भारत में राजनीति,

हरिश चन्द्र शर्मा – भारत में संज्ञों की राजनीति

Dr. M.P. and Dr. D. Ray - Indian political system,

R. Kothari - Politics in India,

Iqbal Narayan - State politics in India,

L.N. Sharma - The Indian prime minister; office and power.

G Gopal Kumar - Regional political Parties and state politics.

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

सेमेस्टर III

पेपर - II

भारत की विदेश नीति : सिद्धान्त एवं व्यवहार

SEMESTER III

PAPER II

INDIAN FOREIGN POLICY: THEORY AND PRACTICE

इकाई-1 विदेश नीति : अर्थ, प्रकृति और निर्धारक तत्व, भारतीय विदेशनीति के निर्धारक तत्वः
आन्तरिक एवं बाह्य, भारतीय विदेश नीति के सिद्धान्त एवं उद्देश्य, उद्भव एवं विकास।

Foreign policy : Meaning, nature and Determinants. Determinants of Indian Foreign Policy: Internal and External principles and objective, origin and Education of India foreign Policy.

इकाई-2 भारत और अमेरिका और रूस, भारत और चीन

India and America, India and Russia, India and China.

इकाई-3 भारत और पाकिस्तान, भारत और बांग्लादेश, भारत और श्रीलंका।

India and Pakistan, India and Bangladesh, India and Sri Lanka.

इकाई-4 भारत और नेपाल, भारत और भूटान, भारत और दक्षेश।

India and Nepal, India and Bhutan, India and SAARC

इकाई-5 भारत और गुटनिरपेक्ष आन्दोलन

भारत और एसियान

भारत और हिन्द महासागर

भारत और आतंकवाद की समस्याएं

India and Non-Alignment movement

India and ASEAN.

India and Indian Ocean.

India and Problems of terrorisms

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

सेमेस्टर III

पेपर-III

अन्तर्राष्ट्रीय कानून

SEMESTER - III

PAPER - III

INTERNATIONAL LAW

इकाई-1 अन्तर्राष्ट्रीय कानून — परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, स्रोत विकास।

International Law - Definition, nature, scope sources development.

इकाई-2 ग्रेशियस का योगदान, राष्ट्रियकरण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कानून में सम्बन्ध।

Grotius Contribution, Codification, Relation development National and International Law.

इकाई-3 अन्तर्राष्ट्रीय कानून की सीमाएं व सम्बंधित तटस्थता — परिभाषा, विशेषताएं,

प्रकार / तटस्थ राज्यों के अधिकार एवं कत्तव्य सज्यों के उत्तराधिकार।

Limitation and possibilities of International Law. Neutrality - Definitions, characteristics, types/ Rights and Duties of Neutral state, state Succession.

इकाई-4 संधिया — अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, उद्देश्य, प्रभाव, संधियों का प्रलेन।

Treaties - meaning, definition, Classifications objects, effects, performance of treaties. Extradition - meaning, Nature, development - conditions Extradition in India

इकाई-5 मान्यता — अर्थ, परिभाषा, सिद्धान्त, मान्यता के तरीके मान्यता के परिणाम, आश्रय — प्रकार, शर्तें, राजनीतिक आश्रय।

Recognition - meaning, Definition, principles, methods, consequences.

Asylum - Types, conditions, Diplomatic asylum.

अन्तर्राष्ट्रीय कानून का प्रभाव — तृतीय विश्व के सन्दर्भ में।

Impact on International Law - With Reference of third World.

सन्दर्भ— डॉ. डी. महाजन—International Law

डॉ. वी. एल. फडिया — अन्तर्राष्ट्रीय कानून

पी. आर. भाटिया — अन्तर्राष्ट्रीय कानून

वै. क्याडक्ज & अन्तर्राष्ट्रीय कानून

C.G. Fenwick - International Law

K. Dutesh and S.Hoffman - The International Law

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

H Kulseen - Principles of International Law

सेमेस्टर III

पेपर-IV

भारत में संघात्मक प्रणाली

SEMESTER - III

PAPER-IV

FEDERAL SYSTEM IN INDIA

इकाई-1 संघात्मक शासन – अर्थ ग्रिभाषा, संघात्मक शासन, लक्षण। संघात्मक शासन ग्रन्थ – एलेंस, संघात्मक एवं एकात्मक शासन में अन्तर, भारत में संघीय व्यवस्था का उद्भव एवं इतिहास।

Federal System - meaning, Definition, Features of Federal System, Merits and Demerits of Federal system, Differences between Federal and Unitary system, Origin and History of Federal System in India.

इकाई-2 भारत में संघीय व्यवस्था और संघीयता ग्रन्थों के विचार, भारतीय संघात्मक व्यवस्था की संरचना (द्वितीय), संघात्मक और एकात्मक लक्षण।

Federal system in India and Thought of Constitution Makers, structure of Federal system in India - Federal and Unitary Features.

इकाई-3 सरकारिया आयोग अतिवेदन

भारत में कन्वेन्टरियल संवधान – विधायी, प्रशासकीय, वित्तीय।

Sarkariya Commission Report

Centre-State relations in India - Legislative, Administrative and Financial.

इकाई-4 नियोजित आर्थिक विकास और भारतीय राजनीति : संघवाद के विशेष सन्दर्भ में।

भारत में संघवाद पर नियोजित के प्रभाव:

Planned Economic Development and Politics in India with special Reference to the Indian Federal System, Impact of Planning on Federalism in India.

इकाई-5 क्षेत्रीय दल एवं संघीय व्यवस्था पर उसका प्रभाव।

भारतीय संघीय व्यवस्थाएँ उभरती प्रवृत्तियाँ।

Regional Parties and their effects on Indian Federalism Emerging trends in Indian Federalism.

सन्दर्भ- पुरुषसंज जैन एवं बी.एल.फडिया – भारतीय शासन एवं राजनीति

हरीश कुमार खत्री – भारतीय संघीय व्यवस्था एवं स्थानीय स्वशासन

एस. आर. माहेश्वर – भारतीय शासन।

D.D. Basu - An Introduction to the Constitution of India

K.R. Bonawall - The Foundations of Indian Federalism

R. Khan - Rethinking Indian Federalism

R. Kothare - Party System and Election studies

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

P. Kumar - Studies in Indian Federalism

सेमेस्टर IV

पेपर - I

भारत में राज्यों की राजनीति

SEMESTER IV

PAPER - I

STATE POLITICAL IS INDIAN

1. राज्यपाल - नियुक्ति, शक्तियां, वास्तविक स्थिति
मुख्यमंत्री - नियुक्ति, कार्य - शक्तियां, स्थिति
मंत्रिपरिषद - राज्य मंत्रिपरिषद के शक्तियां एवं कार्य
Governor - Appointment, Power and Position of Governor
Chief Minister - Appointment, Power, Function and Position
Council of Minister - Function and Power of State
2. राज्य व्यवरथापिका - विधानसभा, विधान परिषद, राज्य विधान मण्डल के कार्य एवं शक्तियां
State Legislative - Legislative Assembly, Legislative Council, Power and function of State Legislative
3. राज्य न्यायपालिका : उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय गठन एवं कार्य शक्तियां
State Judiciary - High Court and Subordinate Courts: Composition, Function & Powers
4. राज्यों की स्वायत्ता की सांग अर्थ, राज्य स्वायत्ता के पक्ष एवं विपक्ष में तर्क
राज्य राजनीति को प्रभावित करने वाले कारक
Demand for State Autonomy- Meaning, Arguments in Favour and against of State Autonomy. Factors influencing State Politics
5. अंतर्राज्यीय परिषद - Inter State Council
राज्य योजना आयोग - State Planning commission
राज्य निवार्चन आयोग - State election commission

संदर्भ ग्रन्थ -

भारतीय शासन एवं राजनीति एवं राज्यों की राजनीति - डॉ. पुखराज जैन / डॉ. बी. एल. फड़िया

भारतीय राजनीति और संविधान - सुभाष कश्यप

एम. पी. राथ - भारतीय शासन व राजनीति रजनी

कोठारी - भारत में राजनीति

हंसिशचन्द्र शर्मा - भारत में राज्यों की राजनीति

पुष्पेश पंत - राजनीति दल और दलगत राजनीति

माइनर वीनर - भारत में राज्य राजनीति

Iqbal Narayan - State Politics in Indian

R. Kothari - Politics in India.

I.N. Sharma - The Indian Prime Minister

Prasad - Centre and State Powers Under

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

Indian Federation.

सेमेस्टर IV

पेपर - II

राजनयः सिद्धांत एवं व्यवहार

SEMESTER IV

PAPER - II

DIPLOMACY: THEORY AND PRACTICE

Unit-I: राजनयः अर्थ, परिभाषा, लक्ष्य, कार्य

Diplomacy: Meaning, definition, objective and function

राजनयः उत्तरि एवं विकास

Diplomacy: Origin and development

राजनय राष्ट्रीय शक्ति के राधन और यत्न के रूप में, सीमाएं

Diplomacy as a means and tools, limitation

Unit-II: राजनयः के प्रकारः न्याय एवं पुराना राजनय

Types of Diplomacy: Old and new diplomacy

नूतन प्रवृत्तियाः शिखर और संसदीय, प्रजातन्त्रात्मक और सम्मेलनीय, व्यक्तिगत राजनय, खुला एवं गुप्त राजनय

New trends: Summit and parliamentary, Democratic and conference, Personal diplomacy, Open and Secret diplomacy

Unit-III: विभिन्न देशों की राजनय का स्वरूप— भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, इटली, फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र

Forms of diplomacy in different countries – India, America, Britain, Russia, China, Italy, France and United Nations.

Unit-IV: राजनयिक के गुण, राजनयिकों की कार्य प्रणाली, भाषा, श्रेणियां एवं उन्मुक्तियां

Qualities of diplomat, working of diplomat, language, their classes and immunities

Unit-V: भारतीय राजनय एवं संयुक्त राष्ट्र, संघिया एवं अंतर्राष्ट्रीय समझौते

भारत राजनयज्ञों की भूमिका— कैसलर, विस्मार्क, बुडरो विलस, वी.के. मेनन, के एस पनिकर, पी.वी. नरसिंहराव

Indian diplomacy and United Nations, Treaties and International compacts

Role of Great diplomats – Castle-Reigh, Bismarck, Woodrow Wilson, V.K. Menon, K.S. Pannikar, P.V. Narasimharao

संदर्भ ग्रन्थ- डॉ हरीशचन्द्र शर्मा, के के जैन – राजनय के सिद्धांत

के. एम. पनिकर – राजनय

हरीश कुमार खड्गी – राजनय

श्रीमती कृष्ण राय, राजनय के सिद्धांत एवं व्यवहार

पुष्पेश पंडे – भारतीय राजनय

हरीश चन्द्र शर्मा – राजनय के सिद्धांत

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

वी के उपाध्याय — भारतीय राजनय एवं विदेश नीति
गांधिया एवं युक्ति — राजनय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठन

H. Kissureger — Diplomacy
H-G Nieolson — Diplomacy
L.B. Pearson — Diplomacy in Nuclear Age
S: Reinseh - Secret Diplomacy
S Mansingh - India's Search for power
B. Prasad - Origins of India's Foreign policy

सेमेस्टर IV

पेपर — III

मानव अधिकार: समस्याएँ और संभावनाएँ

SEMESTER IV

PAPER - III

HUMAN RIGHTS: PROBLEMS AND PROSPECTS

Unit-I: मानव अधिकार— अर्थ परिभाषा, प्रकृति, और ऐतिहासिक विकास

Human Rights- Meaning, definition, nature and historical development.

मानव अधिकार — विभिन्न विचारधारा— उदारवादी, मार्क्सवादी, गांधीवादी

Human Rights — Different perspective: Liberal, Marxist, Gandhian.

Unit-II: भारत में मानव अधिकार और कर्तव्य

Human Right and duties in India

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग— संगठन, उद्देश्य, कार्य— शक्तियां, महत्व, भूमिका

National Human Rights commission- Organisation, Objects, function and power, importance, role.

Unit-III: सहिला, बाल अन्पसंख्यक एवं शरणार्थियों के अधिकार

Rights of women, child, minority and refugees

Unit-IV: संयुक्त राष्ट्र एवं मानवाधिकार

United Nation and Human Rights

मानवाधिकार का सार्वभौमिक धोषणा

Universal declaration of Human Right

मानवाधिकार का अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण: नागरिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकार

International protection of Human Rights- Civil, Political, Social and Economic Rights

Unit-V: सामूहिक अधिकार: आत्म निर्णय का अधिकार

Collective Rights, The Right of Self Determination

भारत में मानव अधिकारों की समस्याएँ और संभावनाएँ

Problems and Possibilities of Human Rights in India

संदर्भ—

रमेश प्रसाद गौतम, पृथ्वी पाल सिंह — भारत में मानव अधिकार

प्रो. आर.पी. जोशी — मानव अधिकार एवं कर्तव्य

क्षी.डी. खाजन — इंटरनेशनल लॉ

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

वैदालंकार - अंतर्राष्ट्रीय कानून
Amrita Sen – The Idea Justice
Upendra Baxi – The future of Human Right
S.N. Mishra – Public international law cultural law
S. Subramanian – Human Right-International challenge
T. Evans – The politics of Human Rights

सेमेस्टर IV पेपर - IV भारत में स्थानीय स्वशासन SEMESTER IV PAPER - IV LOCAL SELF GOVERNMENT IN INDIA

- Unit-I:** स्थानीय स्वशासन— अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, कार्य, महत्व;
Local Self Government; Meaning, Definition, Features, Functions, Importance
रथानीय स्वशासन के गुण—दोष
Merits – Demerits of Local self Government
- Unit-II:** भारत में स्वशासन का विकास
Evolution of local self government in India
73वां राष्ट्रीयिक संशोधन
73rd Constitutional Amendment
74वां संवैधानिक राशोधन
74th Constitutional Amendment
- Unit-III:** ग्रामीण स्थानीय स्वशासन : संगठन, शक्तियां एवं कार्य, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, नियंत्रण
Rural Local self Government; Organisation, power and function Three tier Panchayati Raj System, Control
- Unit-IV:** नगरीय स्थानीय स्वशासन: संगठन, शक्तियां एवं कार्य (नगर निगम, नगर पालिका) वित्त व्यवस्था; नियंत्रण
Urban Local self Government; Organisation, power and function (Municipal Corporation, Municipal Council) Finance & Control over
- Unit-V:** स्थानीय स्वशासन में नौकरशाही, लोकपाल-लोकायुक्त, सूचना का अधिकार
Local self Government and Bureaucracy, Lokpal-Lokayukta, Right to information
- संदर्भ —**
भारतीय संघीय व्यवस्था एवं स्थानीय स्वशासन हरीश कुमार खन्नी
भारतीय प्रशासन प्रौ. मधुसूदन त्रिपाठी

शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, गढ़ उमरिया, ओडिशा रोड, रायगढ़

सेमेस्टर पाठ्यक्रम
एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

भारतीय शासन तंत्र एवं राजनीति – डॉ. बी.एल फडिया

H.C. Sharma – Local Government in India (Hindi)

अशोक शर्मा – स्थानीय स्वशासन

G. Ram Raddy – Panchayati Raj in India

S.R. Maheshwari – Local Government in India (Hindi – English)

S.R. Nigam – Local self Government

R.B. Jain – Panchayati Raj

A. Argal – Municipal Government in India

